सही बातें
निर्माण

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह
जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग
श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
निर्माण

संस्करण
2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान
भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
निर्माण

विफल होने पर हर कोई
दूसरों को ही दोष देता है
जबकि गलती
खुद की ही होती है,
लेकिन जो लोग
अपनी किस्मत को दोष देते हैं ;
उनसे कहना है
अपनी किस्मत भी
आप ही लिखते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जो लोग
बुलंदियों को छूने पर भी
कष्ट के दिनों को
गरीबी के दिनों को,
कभी नहीं भूलते है ;
वो ही लोग
बुलंदियों को बरकरार रख पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

करोड़ों रुपये कमाना
कोई बड़ी बात नहीं,
पर
करोड़ों लोगों के
दिलों में बस जाना
बहुत बड़ी बात है;
पैसे कमाने वाले
एक दिन मर जाते हैं,
पर
दिल में बसने वाले
कभी नहीं मरते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

रिश्ते निभाने के लिये
एक-दूसरे की गलतियाँ
शांत भाव से बर्दाश्त करें,
विसंवाद न करें ;
बर्दाश्त करने से
रिश्ते बने रहेंगे
और
विसंवाद करने से
रिश्ते भी जाते हैं
और प्रीति भी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

ज़िंदगी के
हर एक पल को
बेहतर से बेहतर जीना चाहिये,
क्योंकि
साँसों का
कोई भरोसा नहीं है
कब ज़िंदगी को लूट लें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जब भी आपके पास
भीड़ होती है
तब पूरी दुनिया
आपको पहचानती है,
पर
जब भीड़ चली जाती है
तभी आप
दुनिया को पहचान पातें हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

चिंता और चिता में
ज्यादा अंतर नहीं है,
चिंता आपको ज़िंदा जलाती है
और
चिता मरने पर जलाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

खोटे लोगों को लगता है कि
दूसरों को दुःख देकर
उन्हें खुशी मिल रही है,
मगर
वे लोग
जब गौर से सोचेंगे तो पायेंगे,
वह खुशी दुःख ही है ;
द्वेष के कारण
वो दुःख को ही
खुशी मान बैठते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

भले ही
आपकी आमदनी छोटी हो,
पर
कभी भी अपने दिल को
छोटा मत करना ;
क्योंकि
आदमी की पहचान
बड़ी आमदनी से नहीं
बड़े दिल से होती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जिनके पास
सिर्फ पैसा हो
मित्र या संबंधी न हों,
मेरी नज़र में
इस दुनिया में
उनसे गरीब
कोई और नहीं है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

प्रकृति की हर चीज़
हमें कुछ न कुछ शिक्षा
अवश्य देती है,
देखो–
गुलाब की पत्ती
हमें खुशबू देना सिखाती है,
और
मेंहदी के पत्ते
हमें सिखाते हैं कि
चाहे कैसी भी परिस्थिति हो
अपने गुणों को कभी मत छोड़ना ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

दरारें
न तो दीवारों में शोभा देती हैं
न ही दिल में,
इसीलिये
बेहतर तो यही है कि
दरारें न पड़ें ;
अगर
पड़ भी जायें
तो उसे शीघ्रातिशीघ्र भरें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जो लोग अपने लिये कम
दूसरों के लिये ज़्यादा माँगते हैं,
वो लोग
चन्दन की तरह होते हैं ;
चन्दन कभी अपने लिये
कुछ नहीं माँगता है ;
पर दुनिया को
हमेशा महकाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

किसी की भी भावनाओं को
ठेस नहीं पहुँचाना चाहिये,
क्योंकि
भावनाओं को लगी ठेस
इतनी ठोस होती है कि
आदमी उसे जीते-जीते क्या
मरने के बाद भी
नहीं भूल पाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जितना समय आप
चेहरा साफ करने में लगाते हैं,
अगर
उतना समय आप
मन को साफ करने में लगा देंगे;
तो कभी
चेहरा साफ करने की
जरूरत ही नहीं पड़ेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

आपके जीवन में
चारित्र से ज्यादा अहमियत
किसी की नहीं होना चाहिये,
क्योंकि
चारित्र की मोहर लगते ही
मनुष्य का जीवन
साधारण कागज़ से उठकर
कीमती नोट जैसा हो जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

उपकार
एक ऐसा उपहार है
जो हर कोई नहीं दे सकता है,
यह तो
वो ही लोग दे पाते हैं ;
जो सबको
अपने जैसा करने की चाह रखते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अकसर
हम वही चाहते हैं
जो आसानी से नहीं मिलता,
मगर
उस आसानी से
नहीं मिलने वाली चीज़ को भी
हम आसानी से पाना चाहते हैं;
यह बड़ी कठिन बात है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

शिकायतें
किसी भी समस्या का
हल नहीं है,
समस्याओं को तो
स्वयं आगे बढ़कर
समाप्त किया जाता है ;
शिकायत तो
स्वयं में एक समस्या है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जैसी हमारी सोच होगी
जैसा जीवन जीने का तरीका होगा,
वैसा ही
हमारे व्यक्तित्व का निर्माण होगा ;
इसीलिये
अच्छे व्यक्तित्व के लिये
अच्छी सोच बहुत जरूरी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

कष्टों में
मुस्कुराना सीखना हो
तो फूलों से सीखो,
आपके जीवन में
कभी-कभी ही
कष्टों के दिन आते हैं ;
जरा सोचिये
उन फूलों का क्या होता होगा
जो हमेशा काँटों से घिरे रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

आपके वर्तमान के कृत्य ही
आपके भविष्य का
निर्माण करते हैं,
इसीलिये
अपने वर्तमान को
जितना अच्छा हो सके
उतने अच्छे से जियें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जो हज़ारों कष्टों के
बीच रहकर भी
फूलों जैसे मुस्कुराते हैं,
उनके कष्ट भी एक दिन
कष्ट में पड़ जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जो लोग
स्वयं खुश रहना जानते हैं,
वो ही लोग
दूसरों को खुश रखना जानते हैं,
सच है-
जिसके पास कुछ होगा
वही तो
दूसरों को कुछ दे पाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

मनुष्य पर्याय
संबंधों को संभालने के लिये नहीं
खुद को संभालने के लिये
मिलती है,
मगर अकसर
हम खुद को छोड़कर
संबंधों को ही संभालते रहते हैं,
शायद इसीलिये
बार-बार
मनुष्य बनना पड़ रहा है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

आप
जब भी कुछ बोलें
बड़े ही सुन्दर लहज़े में बोलें,
क्योंकि
आप शब्दों के बल पर
दूसरों के दिलों में
राज कर सकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

बिन माँगे
कभी किसी को सलाह न दें,
मगर
जब कोई माँगे
तो अवश्य दें
और यह भी ध्यान रखें...
भविष्य में वह सलाह
उसके साथ-साथ
दूसरों के लिये भी हितकर हो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जब किसी काम के लिये
कोई आप से कहे–
'तुम नहीं कर पाओगे'
तब उसे जरूर करें;
किसी को
गलत साबित करने के लिये नहीं
स्वयं को
सही साबित करने के लिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

हर असफलता आपको
नीचे नहीं गिराती,
अपितु
हर असफलता आपको
सफल होने के
नये-नये अनुभव सिखाती है ;
देखने का नज़रियाँ होना चाहिये
कुछ लोग
असफलता को हार मानते हैं
और
कुछ लोग
अनुभवों का भण्डार...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जो दूसरों को देते हैं
ज़िंदगी भी उन्हें
भरपूर देती है
और
जो दूसरों से छीन लेते हैं
ज़िंदगी भी उनसे
सब छीन लेती है,
इसलिये
मेरी सलाह मानिये
देना सीखिये
छीनना नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जब भी कोई आपकी तुलना
किसी महान पुरुष से करे,
तो प्रसन्न होने की वजह
आप और गंभीर हो जाइये ;
क्योंकि
अब आप भी
लोगों के मानस पटल पर
आ चुके हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

कुछ लोग
बीती बातों के बारे में
सोच-सोच कर,
अपना वर्तमान भी
गवाँ देते हैं ;
ऐसे लोगों से मेरा कहना है...
वर्तमान को देखिये
उसे ही सँवारिये
आनेवाला कल आपका होगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जिन्हें छूना हो आसमान
उन्हें आसान चीजों की चाह
नहीं करना चाहिये ,
चाहो वो
जो न हो आसान,
तभी तुम छू पाओगे
अपनी ज़िंदगी में
नये-नये आसमान..

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

आसानी से मिलने वाली चीज़ें
अकसर आसानी से गुम जाती हैं,
इसलिये
हर चीज़ के लिये
भरपूर मेहनत कीजिये ;
ताकि वह लंबे समय तक
आपके पास रह सके...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

रिश्तों की कीमत
हर कोई नहीं समझता,
इसे तो
वे ही लोग समझते हैं
जिनके रिश्ते टूट चुके हैं
या
जिनके कोई रिश्ते ही नहीं हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

निंदा के काल में
प्रतिकार मत कीजिये
और
प्रशंसा के काल में
अपनी बढ़ाई मत कीजिये,
ये दो काम
आपकी उन्नति और व्यक्तित्व को
गिरा देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

नकारात्मकता
माचिस से भी
गई बीती चीज़ है,
माचिस जलाती है
मगर
प्रकाशित भी करती है ;
परन्तु नकारात्मकता
केवल जीवन को जलाती है,
इसके सिवाय
उसे कुछ नहीं आता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अपने सपनों को
पूरा करने के लिये
उन्हें नकारात्मक सोच से
और
नकारात्मक सोच वालों से
हमेशा बचाकर रखिये,
क्योंकि
सपने काँच से भी नाज़ुक होते हैं ;
जो नकारात्मकता के
हलके से झोंके से भी टूट जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

उत्तम वस्तु का भोग
उत्तम लोग ही कर पाते हैं
ऐसा मेरा ही नहीं
प्रकृति का भी कहना है-
देखो ना
ऊँट नीम खाता है
और
तोता आम ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अगर कोई छोटा
आपको गाली दे
तो उसे जवाब मत देना,
उसे जवाब देने से
आप भी छोटे हो जायेंगे
और
अगर कोई बड़ा
आपको गाली दे
तो सहन करना ;
सहन करने से
आप भी बड़े हो जायेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

बड़े होने पर
छोटों को नहीं भूलना चाहिये,
क्योंकि
छोटी-छोटी ईंटों पर ही
महल टिका होता है
और
ईंटों के खिसकने पर
महल भी खिसक जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जब आपके चाहने वाले
आपके पास होते हैं
तब आपको
बुरा वक्त भी अच्छा लगता है,
लेकिन
जब वे ही चाहने वाले
आपको बुरा कहते हैं ;
तब अच्छा वक्त भी
बुरा लगता है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

आलसी और लोभी मनुष्य
कुछ नहीं कर पाते हैं,
ऐसे लोग
जब अपना पेट तक
ढ़ंग से नहीं भर सकते हैं ;
तो भला
दूसरों का भला
कैसे कर सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

ज़िंदगी
एक ऐसा चित्र है
जो अनजाने
और
अनचाहे रंगों से
रंगा होता है ;
लेकिन
इसमें सुंदर रंग भरना
आपके ही हाथों में है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

धन का सदुपयोग करने वाले
धनवान बन जाते हैं
और
समय का सदुपयोग करने वाले
गुणवान बन जाते हैं ;
इसीलिये
धन से अधिक
समय का उपयोग करें ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

पैसों से ज़्यादा कीमती
पुण्य होता है,
पैसे तो
इसी भव तक साथ देते हैं,
परन्तु पुण्य
जन्मों-जन्मों तक साथ चलता है ;
इसीलिये
पैसों से ज्यादा
पुण्य कमाइये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अगर आप चालाक होकर
दूसरों को पीड़ित करते हैं,
तो आप
उस बगुले के समान हैं
जो निरीह मछलियों को खाते हैं,
इसलिये
चालाक होना खराब नहीं है,
चालाक होकर
दूसरों को ठगना खराब है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

हमारे जीवन में
रिश्ते तो बहुत बनते हैं,
पर
कुछ ही रिश्ते ऐसे होते हैं,
जो हमें याद रहते हैं
अथवा
जिन्हें हम याद रखना चाहते हैं ;
ऐसा रिश्तेदारों के
स्वभाव के कारण होता है
रिश्तों के कारण नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जहाँ प्रीति रहती है
वहाँ मीलों के रास्ते भी
मिनटों से लगते हैं
और
जहाँ प्रीति न हो
वहाँ मिनटों के रास्ते भी
मीलों से लगते हैं,
सच है
प्रीति की डोर से
जो बंधा होता है ;
उसे दूरियाँ भी
नज़दीक लगती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

हर वक्त लोग आपसे
अपनापन तो जता सकते हैं,
पर
अपना उसे ही मानना
जो वक्त पर काम आये,
क्योंकि
व्यक्ति की पहचान
वक्त से होती है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

उम्मीदों के टूटने पर
दुःख मत मनाइये,
हौंसलों
और
उम्मीदों को कायम रखिये ;
एक दिन
जीत आपकी ही होगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

मेहनत
और
हौंसलों की दृढ़ता,
मैंने चींटी से सीखी है;
हज़ारों बार गिरने पर भी
वह रुकती नहीं है
और
एक दिन जंग को
वह जीत ही लेती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अपने सुख के लिये
अगर आप किसी को दुःख देते हैं,
तो आप
सुख पाकर भी दुःखी हैं,
स्वयं दुःख झेलना ठीक है;
परन्तु
दूसरों को दुःखी करना
ठीक नहीं है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जिन्हें आप
खोना नहीं चाहते हैं,
उन्हें जरूर माफ करें
और
जिन्हें आप
माफ नहीं कर सकते हैं,
उन्हें खोने के लिये
तैयार हो जाइये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जीवन में शरारतों को
स्थान नहीं देना चाहिये
और
शरारतों को कम करने लिये
व्यस्त रहना चाहिये,
क्योंकि
शरारतें आप पर भारी पड़ गईं
तो अच्छाइयाँ दब जायेंगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

किसी भी
सुन्दर स्त्री के लिये
माँ को कभी मत छोड़ देना,
क्योंकि
माँ भले ही सुन्दर न हो;
पर
माँ से सुन्दर-भाव
किसी का नहीं होता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अपने और पराये
दोनों आपको सताते हैं,
फर्क सिर्फ इतना है
अपने यादों से सताते हैं
और
पराये धोखा देकर...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

सम्मान पाना है
और
योग्यता बढ़ाना है
तो विनम्र बन जाइये,
क्योंकि
विनम्रता ऐसा गुण है
जिससे सब कुछ
हासिल किया जा सकता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

ठोकर खाके गिरना ठीक है
पर
धोखा देकर गिरना
ठीक नहीं है,
ठोकर खाके गिरनेवाले
उठ सकते हैं ;
पर
धोखा देकर गिरनेवाले
कभी नहीं उठ पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

पैसों के लिये
संबंधों को मत तोड़ों,
पैसों से ज़्यादा कीमत
संबंधों की होती है,
ध्यान रखना...
कष्ट के दिनों में
पैसे काम नहीं आते
संबंध ही काम आते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

बुरा चाहने वाले का भी
बुरा मत मानिये
न ही उनका बुरा कीजिये,
अगर
बुरे लोग नहीं होंगे
तो अच्छे लोगों की
पहचान कैसे बनेगी ?
सच है-
रावण न होता
तो राम को कौन पहचानता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अपनों का ख्याल
वे ही रख पाते हैं
जिन्हें अपनों के खोने का डर हो,
जिन्हें डर नहीं अपनों के बिछड़ने का ;
वे बनाये रिश्तों को
ली हुई श्वास की तरह छोड़ देते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जीत पर अहंकार मत करो
हार पर अफसोस मत करो,
हारने वाले भी मरते हैं
और
जीतने वाले भी मरते हैं,
अपने स्वभाव को मधुर रखो ;
क्योंकि
अच्छे स्वभाव वाले ही अमर रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

ज़िंदगी में
जितनी जरूरी श्वास है
उतना ही जरूरी संघर्ष है,
श्वास आपको ज़िंदा रखती है
और
संघर्ष आपको कभी मरने नहीं देता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अगर आपके कारण कोई रोता है
तो आप बड़े होकर भी छोटे हैं
और
आपके लिये कोई रोता है
तो आप छोटे होकर भी बड़े हैं ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जितना आप
सालों की मेहनत से नहीं थकते हैं
उससे कई गुना अधिक
आप क्रोध करने से थक जाते हैं,
अगर आप
थकना नहीं चाहते हैं
तो क्रोध भी नहीं करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जब भी कुछ माँगो
तो भगवान से ही माँगना,
क्योंकि
वो देकर
कभी अहसान नहीं जताता है,
लेकिन
इंसानों से कभी कुछ न माँगना ;
क्योंकि
वे दें या न दें
पर अहसान जरूर जताते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें निर्माण

सफलता और असफलता
दोनों को अपने दिल में
जगह न दें,
सफलता को जगह देंगे
तो घमंड जागेगा
और
असफलता को जगह देंगे
तो उदासी छायेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

हर चीज़ हमारे लिये
कुछ न कुछ शिक्षा जरूर देती
बस नज़रिया होना चाहिये,
आइने को ही ले लीजिये –
वह सबको देखता तो है
पर कभी भी किसी को
अपना नहीं बनाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

आँख, नाक, कान
और हाथ, पैर आदि
सभी इंसानों के हो सकते हैं,
मगर
अच्छा स्वभाव
हर किसी के पास नहीं होता ;
ये तो भगवान
किसी-किसी को ही देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अगर आप
कठिन परिस्थितियों को भी
सरलता से झेल लेते हैं,
तो ही आप
महान बन सकते हैं ;
सरल परिस्थितियों में जीना तो
हर इंसान को आता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जीवन में
कुछ सीखो या न सीखो,
पर
झुकना अवश्य सीखो,
अगर आप
झुकना सीख गये हैं ;
तो दुनिया आपके समाने
झुकी हुई मिलेगी ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अच्छे लोग
पत्थर में भी भगवान देख लेते हैं
और
बुरे लोग
भगवान में भी पत्थर को ही देखते हैं,
सच है-
ज़्यादातर लोग
खोटी दृष्टि के कारण ही परेशान हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

चिंता आपको भटका देती है
पर
चिंतन आपको
भटकने से बचा लेता है,
इसलिये
लक्ष्य की प्राप्ति
चिंता से नहीं
चिंतन से होती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जब सही होने पर भी
लोग आप पर
अंगुलियाँ उठाने लगें
आपकी निंदा करने लगें,
तब समझ लेना
आप में भी
गुण उत्पन्न होने लगे हैं ;
क्योंकि
पत्थर फलवान वृक्ष पर ही
मारे जाते हैं
सूखे ठेरे पर नहीं ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जीवन में गलतियाँ हो जाना
कोई बड़ी बात नहीं है,
पर
गलत-फहमियाँ हो जाना
सबसे बेकार बात है ;
इसीलिये
गलतियाँ ठीक हैं
पर
गलत-फहमियाँ ठीक नहीं हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें निर्माण

मदद माँगने पर नहीं
बिन माँगे करें,
अगर आप
ऐसा नहीं कर सकते हैं
तो आप
वृक्ष से भी गये बीते हैं,
क्योंकि
वृक्ष कभी किसी के माँगने पर
फल नहीं देता ;
वह तो हमेशा फल देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

किसी की
सुनी बातों में आकर
किसी से
नफ़रत न करें,
पहले उसके बारे में
सब कुछ जानें
उसके बाद ही
उससे नफ़रत करें ;
शायद ऐसा करने से
आप किसी से भी
नफ़रत नहीं कर पायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जो कुछ भी
आपकी नज़र में हो
जरूरी नहीं
वह आपके नसीब में भी हो
और
जो कुछ भी
आपके नसीब में हो
जरूरी नहीं
वह आपके नज़र में हो,
क्योंकि
नसीब कभी दिखता नहीं है
और
मिलता वो ही है
जो नसीब में होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

समझदार लोग
पहले सोचते हैं
फिर करते हैं,
पर
मूर्ख लोग
पहले करते हैं
फिर सोचते हैं,
आप किस श्रेणी में आते हैं
ये तो मैं नहीं जानता;
मगर
समझदार लोगों की यही श्रेणी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जैसै–जैसे आपके गुण बढ़ें
वैसे–वैसे आपको
शांत होते जाना चाहिये,
गुणों के बढ़ने पर
अगर शान्ति न बढ़े ;
तो समझ लेना
गुण नहीं,
अवगुण बढ़ रहे हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अपनी बात
दुनिया तक पहुँचाने के लिये
अपनी आवाज़ को
ऊँचा न करें,
अपने व्यक्तित्व को ऊँचा करें ;
अगर आपका व्यक्तित्व ऊँचा है
तो आपकी धीमी आवाज़ भी
बहुत असर करेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

बुरे वक्त की भी
एक अच्छी बात है,
वह जैसे ही आता है
आपको
अच्छे और बुरे लोगों की
पहचान हो जाती है ;
या फिर यूँ कहें कि
बुरा वक्त
अच्छे लोगों की
परीक्षा का समय होता है

...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

कुछ पाकर मुस्कुराने वाले
तो बहुत है दुनिया में,
जो खोकर भी
मुस्कुराते रहते हैं,
ऐसे लोग भले ही कम हों
पर
ज़िंदगी जीना भी
ऐसे ही लोग जानते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अगर आपका
व्यवहार अच्छा है,
तो आप
दुश्मन के दिल में भी
अपनी अच्छी छवि बना सकते हैं,
खराब व्यवहारवालों की
छवि क्या
मित्र ही बन जायें
तो बहुत बड़ी बात है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

अगर आपके अन्दर
गुरु के प्रति
भक्ति समर्पण और श्रद्धान है,
तो आपकी
सारी समस्यायें
सहज ही सुलझ जायेंगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

चाहे माता-पिता का संबंध हो
या पति-पत्नी का,
चाहे गुरु-शिष्य का संबंध हो
या भक्त-भगवान का;
सभी की जड़ एक ही है
विश्वास...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जिसे
सही समय में
सही गुरु मिल जायें
उसे
समझ लेना चाहिये
उसका सही समय आ गया है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जिसके ऊपर
गुरु की
असीम कृपा है
उसे
असीम ऊँचाइयाँ मिलती हैं,
ऊँचाइयाँ छूने के लिये
असीम छलांग चाहिये
और
छलांग लगाने के लिये
गुरु का सहारा चाहिये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

जिसका भी गुरु पर
असीम विश्वास है,
निश्चित ही
उसके जीवन का
असीम विकास है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
निर्माण

दुनिया में
सबसे ज्यादा भीड़
दो ही जगह देखी जाती है,
पहली
मरे को उठाने में;
दूसरी
उठे को गिराने में ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर